Scholarly Research Journal for Humanity Science & English Language,
Online ISSN 2348-3083, SJIF 2016 = 4.44, www.srjis.com
UGC Approved Sr. No.48612, AUG-SEPT 2017, VOL- 4/23
https://doi.org/10.21922/srjhsel.v4i23.9648

थारू जनजाति के विद्यार्थियों के व्यक्तिगत मूल्यों का अध्ययन

ओमप्रकाश[1]&सीमा धवन[2], Ph. D.
[1]शोधार्थी (शिक्षा शास्त्र)बिडला परिसर
[2]एसोसिएट प्रोफेसर (शिक्षा विभाग)बिड़ला परिसर,हे0न0ब0 गढ़वाल (केन्द्रीय)विश्वविद्यालय,श्रीनगर, उत्तराखण्ड

Abstract

मूल्य मानव जीवन का मूलाधार हैं। किसी भी समाज, राष्ट्र तथा विश्व का कल्याण मूल्यों के अभाव में नहीं हो सकता। मूल्य मानव जीवन का अभिन्न अंग हैं। व्यक्तिगत मूल्य मानव के व्यवहार तथा जीवन व्यतीत करने के तरीकों को प्रभावित करते हैं। व्यक्तिगत मूल्य, धार्मिक, सामाजिक, प्रजातान्त्रिक, सौन्दर्यात्मक, आर्थिक, ज्ञान, सुखवादी, शक्ति, पारिवारिक प्रतिष्ठा एवं स्वास्थ्य इत्यादि क्षेत्रों से सम्बन्धित होते हैं।थारू जनजाति का आवास क्षेत्र उत्तर प्रदेश के दक्षिण पूर्व से लेकर पूर्व में गोरखपुर तथा नेपाल की सीमा तक है। प्रस्तुत शोध का उद्देश्य उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी के थारू जनजाति के विद्यार्थियों के व्यक्तिगत मूल्यों धार्मिक, सामाजिक, प्रजातान्त्रिक, सौन्दर्यात्मक, आर्थिक, ज्ञान, सुखवादी, शक्ति, पारिवारिक प्रतिष्ठा एवं स्वास्थ्य का अध्ययन करना है तथा थारू जनजाति के छात्रों एवं छात्राओं के इन व्यक्तिगत मूल्यों की तुलना करना है। इस शोध में सर्वेक्षण शोधविधि का प्रयोग किया गया है। शोध हेतु उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी के थारू जनजाति के 800 विद्यार्थियों को सम्मिलित किया गया है।

मुख्य बिन्दु *:–थारू जनजाति, व्यक्तिगत मूल्य, छात्रों एवं छात्राओं*

Scholarly Research Journal's is licensed Based on a work at www.srjis.com

प्रस्तावना

मूल्य मानव जीवन का मूलाधार हैं। मूल्य वें मानदण्ड हैं जो मानव के व्यवहार को नियंत्रित एवं निर्देशित कर उसे सभ्य एवं सुसंस्कृत बनाते हैं। किसी भी समाज, राष्ट्र तथा विश्व का कल्याण मूल्यों के अभाव में नहीं हो सकता। मूल्य ही सही–गलत, उचित–अनुचित, करणीय–अकरणीय का बोध कराते हैं तथा विचारों, भावनाओं एवं क्रियाओं को नियंत्रित कर सही, उचित तथा करणीय कार्यों की ओर अग्रसर करते हैं।

मूल्य में मानव की धारणाएं, विचार, विश्वास, मनोवृत्ति एवं आस्था आदि अन्तर्निहित होते हैं।फिलंक के अनुसार, ''मूल्य मानक रूपी मानदण्ड हैं जिनके आधार पर मनुष्य अपने सामने उपस्थित क्रिया विकल्पों में से चयन करने में प्रभावित होते हैं।''आर0के0 मुकर्जीके मतानुसार, ''मूल्य समाज द्वारा स्वीकृत वे प्रेरणायें एवं लक्ष्य हैं जो अनुकूलन सीखने एवंसमाजीकरण कीप्रक्रिया से जो व्यक्ति के भीतर स्थित होकर उसकी प्राथमिकताओं, स्तरों एवं आकांक्षाओं का रूप धारण कर लेते हैं।''

विद्वानों द्वारा किये गये विविध शोधों के परिणामों ने प्रदर्शित किया है कि व्यक्तिगत मूल्य मानव के व्यवहार तथा जीवन व्यतीत करने के तरीकों को प्रभावित करते हैं। शर्मा,(2015)के शब्दों में, ''मूल्य मानव जीवन का अभिन्न अंग हैं। मानव की समस्त क्रियायें उनके मूल्यों का ही प्रतिबिम्ब हैं।''

Copyright © 2017, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

सिंह (2012) ने मूल्यों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा है कि ''मूल्य एक ओर मानवीय व्यवहार और सामाजिक सम्बन्धों को निर्धारित करने तथा सामाजिक संरचना तथा अन्तःक्रिया को नियन्त्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह करते हैं तो वहीं दूसरी ओर उन्हें स्थायित्व तथा सम्बद्धता प्रदान करते हैं।व्यक्तिगत मूल्य,धार्मिक, सामाजिक, प्रजातान्त्रिक, सौन्दर्यात्मक, आर्थिक, ज्ञान, सुखवादी, शक्ति, पारिवारिक प्रतिष्ठा एवं स्वास्थ्य इत्यादि क्षेत्रों से सम्बन्धित होते हैं।

अनेक विद्वानों द्वारा विद्यार्थियों के व्यक्तिगत मूल्यों का अध्ययन किया गया तथा भिन्न–भिन्न परिणाम प्राप्त किये गये हैं। ग्रामीण तथा शहरी विद्यार्थियों के सामाजिक, प्रजातान्त्रिक, सौन्दर्यात्मक, अर्थ, ज्ञान, शक्ति, पारिवारिक प्रतिष्ठा एवं स्वास्थ्य मूल्यों में अन्तर होता है (नीरज, 2005;नारद, 2007)।विद्यार्थियों के वैयक्तिक मूल्यों के आयामों यथा–धार्मिक, प्रजातान्त्रिक, सौन्दर्यात्मक, आर्थिक, बौद्धिक, सुख प्रवृत्ति, शक्ति सत्ता, पारिवारिक प्रतिष्ठा तथा स्वास्थ्य मूल्य पर लिंग का प्रभावहोता है (शर्मा, 2013)।बालिकाओं की अपेक्षा बालकों मे धार्मिक, सौन्दर्यात्मक, सुखवादी, शक्ति, पारिवारिक प्रतिष्ठा तथा स्वास्थ्य मूल्यों का स्तर उच्चहोता है (मित्तल, 2016)। धार्मिक, सामाजिक, प्रजातांत्रिक, सौन्दर्यात्मक, आर्थिक, ज्ञान, सुखवादी, शक्ति, पारिवारिक प्रतिष्ठा और स्वास्थ्य मूल्यों में ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्र का प्रभाव नहीं होता है (शर्मा तथा मलिक, 2013)।

उपर्युक्त विवरण से स्पष्ट है कि विद्यार्थियों के व्यक्तिगत मूल्यों पर अनेक विद्वानों द्वारा शोध अध्ययन किया गया है लिंग और ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्र का प्रभाव दर्शाया गया है परन्तुथारू जनजाति के छात्रों एवं छात्राओं के व्यक्तिगत मूल्यों का अध्ययन नहीं किया गया है। इस विषय के महत्व को अनुभव करते हुए प्रस्तुत शोधकार्य में थारू जनजाति के विद्यार्थियों के व्यक्तिगत मूल्यों का अध्ययन करने का निश्चय किया गया।

थारू जनजाति भारत और नेपाल की जनजातियों में से एक है। थारू शब्द का अर्थ है–ठहरे हुए अर्थात जो तराई के वनों में आकर ठहर गये वें थारू कहलाये। थारू जनजाति का आवास क्षेत्र उत्तर प्रदेश के दक्षिण पूर्व से लेकर पूर्व में गोरखपुर तथा नेपाल की सीमा तक है। यह क्षेत्र गोंडा, लखीमपुर खीरी, गोरखपुर, पीलीभीत, बहराइच तथा बस्ती जिलों तक विस्तृत है।

इस शोध का प्रमुख उद्देश्यउत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी के थारू जनजाति के विद्यार्थियों के व्यक्तिगत मूल्यों का अध्ययन करना तथा छात्रों एवं छात्राओं के व्यक्तिगत मूल्यों की तुलनाकरना था। इस कार्य हेतु शून्य परिकल्पनाओं का निर्माण किया गया।

भाोधविधि

वर्तमान शोध के उद्देश्यों, परिकल्पनाओं तथा चरों के आलोक में वर्णनात्मक शोध के अन्तर्गत सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।जनंसख्या के रूप में उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी के विकासखण्ड पलिया तथा निघासन में स्थित उच्च माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत थारू जनजाति के कक्षा 11 व कक्षा 12 के विद्यार्थियों को सम्मिलित किया गया है।यादृच्छिक न्यादर्श प्रविधि द्वारा न्यादर्श

Copyright © 2017, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

का चयन दो चरणों में किया गया। प्रथम चरण में उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी के दो विकासखण्डों पलिया तथा निघासन के उच्च माध्यमिक विद्यालयों की सूची इन्टरनेट से प्राप्त की गयी। तत्पश्चात उन विद्यालयों में से 40 विद्यालयों का यादृच्छिक न्यादर्श प्रविधि द्वारा चयन किया गया।द्वितीय चरण में, चयनित विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों से सम्पर्क स्थापित कर कक्षा 11 तथा कक्षा 12 में अध्ययनरत थारू जनजाति के विद्यार्थियो की सूची प्राप्त की गयी। प्रत्येक विद्यालय से 20 थारू जनजाति के विद्यार्थियों का चयन किया गया। इस प्रकार 400 थारू जनजाति के विद्यार्थियों का चयन पलिया विकासखण्ड से तथा 400 थारू जनजाति के विद्यार्थियों का चयन निघासन विकासखण्ड से किया गया। शोध के लिए डॉ0 जी0पी0 शैरी एवं आर0पी0 वर्मा द्वारा निर्मित व्यक्तिगत मूल्य प्रश्नावली का प्रयोग किया है।व्यक्तिगत मूल्य प्रश्नावली में कुल 40 कथन हैं, जो दस मूल्यों का मापन करते हैं। प्रश्नावली में सम्मिलित दस मूल्य हैं – (क) धार्मिक मूल्य, (ख) सामाजिक मूल्य, (ग) प्रजातान्त्रिक मूल्य, (घ) सौन्दर्यात्मक मूल्य, (च) आर्थिक मूल्य, (छ) ज्ञान मूल्य, (ज) सुखवादी मूल्य, (झ) शक्ति मूल्य, (ट) पारिवारिक प्रतिष्ठा मूल्य एवं (ठ) स्वास्थ्य मूल्य।प्रत्येक कथन के लिए तीन विकल्प दिये गये हैं। प्रयोज्यों को यह निर्देश दिया गया कि जिस विकल्प को वे सबसे अधिक पसन्द करते हैं उसके सामने कोष्ठक में (✓) का चिन्ह लगायें, जिस विकल्प को वे सबसे कम पसंद करते हैं उसके सामने कोष्ठक में (X) का चिन्ह लगायें तथा जो विकल्प शेष रह गया है उसके सामने कोई भी चिन्ह न लगायें। इस प्रकार प्रयोज्यों के समक्ष प्रतिक्रिया के लिए तीन विकल्प थे। इन विकल्पों के फलांकन में निम्न प्रक्रिया अपनायी गयी –सबसे अधिक पसंद के मूल्य को दर्शाने वाले (✓) के लिए '2', सबसे कम पसंद के मूल्य को दर्शाने वाले (X) के लिए '0', मध्यवर्ती पसंद के मूल्य को दर्शाने वाले रिक्त ( ) के लिए '1'।आँकड़ों के विश्लेषण के लिए मध्यमान, मानक विचलन तथा 'टी' परीक्षण आदि प्रविधियों का प्रयोग किया गया है।

प्रदत्तों का विश्लेशण एवं व्याख्या

सारणी –1थारू जनजाति के विद्यार्थियों के व्यक्तिगत मूल्य

चर	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	स्तर
धार्मिक मूल्य	800	50.00	10.02	सामान्य
सामाजिक मूल्य	800	50.01	10.01	सामान्य
प्रजातान्त्रिक मूल्य	800	50.00	10.02	सामान्य
सौन्दर्यात्मक मूल्य	800	50.01	10.00	सामान्य
आर्थिक मूल्य	800	50.01	10.00	सामान्य
ज्ञान मूल्य	800	50.00	10.02	सामान्य
सुखवादी मूल्य	800	50.97	10.01	सामान्य
शक्ति मूल्य	800	50.02	10.01	सामान्य
पारिवारिक प्रतिष्ठा मूल्य	800	50.02	10.01	सामान्य
स्वास्थ्य मूल्य	800	50.00	10.02	सामान्य

Copyright © 2017, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

सारणी 1 में थारू जनजाति के विद्यार्थियोंके मूल्यों का मध्यमान तथा मानक विचलन प्रदर्शित किया गया है। सारणी से स्पष्ट है कि थारू जनजाति के800 विद्यार्थियोंके धार्मिक,सामाजिक, प्रजातान्त्रिक, सौन्दर्यात्मक, आर्थिक, ज्ञान, सुखवादी, शक्ति, पारिवारिक प्रतिष्ठा एवं स्वास्थ्य मूल्य का मध्यमान लगभग समानपाया गया है। सभी मूल्यों यथा–धार्मिक, सामाजिक, प्रजातान्त्रिक, सौन्दर्यात्मक, आर्थिक, ज्ञान, सुखवादी, शक्ति, पारिवारिक प्रतिष्ठा एवं स्वास्थ्य मूल्य के मध्यमान क्रमशः50.00, 50.01, 50.00, 50.01, 50.01, 50.00, 50.97, 50.02, 50.02तथा 50.00 पाये गये। ये सभी मध्यमान थारू जनजाति के विद्यार्थियोंमें इन सभी मूल्यों की सामान्य उपस्थिति को व्यक्त करते हैं। उपर्युक्त मूल्यों के मानक विचलन पर दृष्टिपात करने से ज्ञात होता है कि सभी मूल्यों का मानक विचलन लगभग समानतथा 10.00 से 10.02 तक पाया गया। इससे स्पष्ट होता है कि थारू जनजाति के विद्यार्थियोंके सभी मूल्यों में एक समान समानता पायी गयी।

सारणी –2

थारू जनजाति के छात्रों तथा छात्राओं के धार्मिक मूल्य

चर	थ्लंग	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	'टी'–मान
धार्मिक मूल्य	छात्र	400	49.64	9.76	1.014
	छात्रा	400	50.36	10.28	असार्थक

सारणी 2में थारू जनजाति के छात्रों तथा छात्राओं के धार्मिक मूल्य की तुलना की गयो है। सारणी से स्पष्ट है कि कुल 800 थारू जनजाति के विद्यार्थियों के व्यक्तिगत मूल्यों का अध्ययन किया गया हैजिसमें छात्रों तथा छात्राओं की संख्या 400 है। छात्रों के धार्मिक मूल्य का मध्यमान 49.64 तथा मानक विचलन 9.76 है जबकि छात्राओं के धार्मिक मूल्य का मध्यमान 50.36 तथा मानक विचलन 10.28 है।

थारू जनजाति के छात्रों तथा छात्राओं के धार्मिक मूल्यकी तुलना करने पर 'टी' का मान 1. 014प्राप्त हुआ जो 0.05 सार्थकता स्तर पर सार्थक नहीं है क्योंकि प्राप्त 'टी'–मान सारणी मान 1.96 से कम है। इससे स्पष्ट है कि थारू जनजाति के छात्रों तथा छात्राओं के मध्य धार्मिक मूल्य में सार्थक अन्तर नहीं है (चित्र.१)।

Copyright © 2017, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

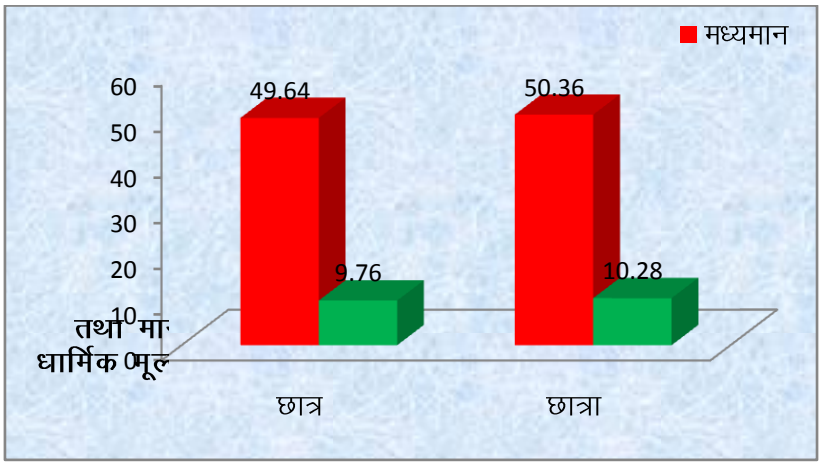

चित्र.1: छात्रों तथा छात्राओं के धार्मिक मूल्य

चित्र.1 से स्पष्ट है कि छात्रों तथा छात्राओं के धार्मिक मूल्य में अधिक अन्तर नहीं है परन्तु छात्राओं के धार्मिक मूल्य छात्रों से अधिक है।

सारणी –3 थारू जनजाति के छात्रों तथा छात्राओं के सामाजिक मूल्य

चर	लिंग	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	'टी'–मान
सामाजिक मूल्य	छात्र	400	51.16	10.24	3.262**
	छात्रा	400	48.87	9.66	सार्थक

**** =0.01 स्तर पर सार्थक**

सारणी 3 में थारू जनजाति के छात्रों तथा छात्राओं के सामाजिक मूल्य की तुलना की गयी है। थारू जनजाति के छात्रों की संख्या 400 तथा छात्राओं की संख्या 400 है। छात्रों के सामाजिक मूल्य का मध्यमान 51.16 तथा मानक विचलन 10.24 है और छात्राओं के सामाजिक मूल्य का मध्यमान 48.87 तथा मानक विचलन 9.66 है।

थारू जनजाति के छात्रों तथा छात्राओं के सामाजिक मूल्य की तुलना करने पर 'टी'–मान 3. 262 प्राप्त हुआ है। यह 'टी'–मान 0.01 सार्थकता स्तर पर सार्थक है क्योंकि प्राप्त 'टी'–मान सारणी मान 2.58 से अधिक है। इससे स्पष्ट है कि थारू जनजाति के छात्रों तथा छात्राओं के मध्य सामाजिक मूल्य में सार्थक अन्तर है। अन्तर को निम्न चित्र में प्रस्तुत किया गया है।

Copyright © 2017, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

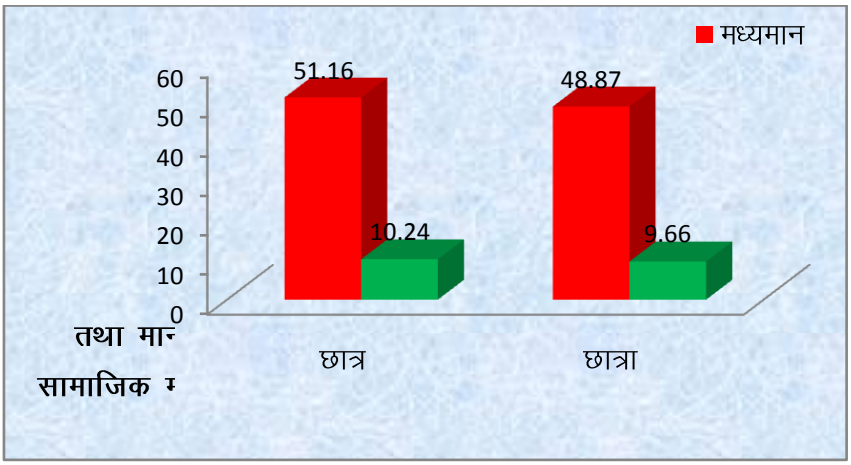

चित्र.2: छात्रों तथा छात्राओं के सामाजिक मूल्य

चित्र.2 से परिलक्षित है कि थारू जनजाति के छात्रों तथा छात्राओं के सामाजिक मूल्य में अन्तर है तथा छात्रों के सामाजिक मूल्य छात्राओं से अधिक है।

सारणी –4 थारू जनजाति के छात्रों तथा छात्राओं के प्रजातान्त्रिक मूल्य

चर	लिंग	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	'टी'–मान
प्रजातान्त्रिक मूल्य	छात्र	400	50.62	10.39	1.735
	छात्रा	400	49.39	9.62	असार्थक

सारणी 4 में थारू जनजाति के छात्रों तथा छात्राओं के प्रजातान्त्रिक मूल्य के तुलनात्मक अध्ययन हेतु 'टी' मान प्रदर्शित किया गया है। सारणी से स्पष्ट है कि थारू जनजाति के छात्रों की संख्या 400 तथा छात्राओं की संख्या 400 है। थारू जनजाति के छात्रों के प्रजातान्त्रिक मूल्य का मध्यमान 50.62 तथा मानक विचलन 10.39 है। थारू जनजाति की छात्राओं के प्रजातान्त्रिक मूल्य का मध्यमान 49.39 तथा मानक विचलन 9.62 है।

थारू जनजाति के छात्रों तथा छात्राओं के प्रजातान्त्रिक मूल्य की तुलना करने पर 'टी'–मान 1. 735प्राप्त हुआ है। यह मान 0.05 सार्थकता स्तर पर सार्थक नहीं है। इससे स्पष्ट है कि थारू जनजाति के छात्रों तथा छात्राओं के प्रजातान्त्रिक मूल्य में सार्थक अन्तर नहीं है।

सारणी –5 थारू जनजाति के छात्रों तथा छात्राओं के सौन्दर्यात्मक मूल्य

चर	लिंग	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	'टी'–मान
सौन्दर्यात्मक मूल्य	छात्र	400	48.98	9.80	2.931**
	छात्रा	400	51.05	10.12	सार्थक

**** =0.01 स्तर पर सार्थक**

सारणी 5 में थारू जनजाति के छात्रों तथा छात्राओं के सौन्दर्यात्मक मूल्य की तुलना की गई है। छात्रों तथा छात्राओं की संख्या 400 है। छात्रों के सौन्दर्यात्मक मूल्य का मध्यमान 48.98 तथा मानक विचलन 9.80 है और छात्राओं का मध्यमान 51.05 तथा मानक विचलन 10.12 है।

Copyright © 2017, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

थारू जनजाति के छात्रों तथा छात्राओं के सौन्दर्यात्मक मूल्य की तुलना करने पर 'टी'–मान 2. 931 प्राप्त हुआ है। यह 'टी'–मान 0.01 सार्थकता स्तर पर सार्थक है क्योंकि प्राप्त 'टी'–मान सारणी मान 2.58 से अधिक है। इससे स्पष्ट है कि थारू जनजाति के छात्रों तथा छात्राओं के सौन्दर्यात्मक मूल्य में सार्थक अन्तर है।जिसे निम्न चित्र में प्रस्तुत किया गया है।

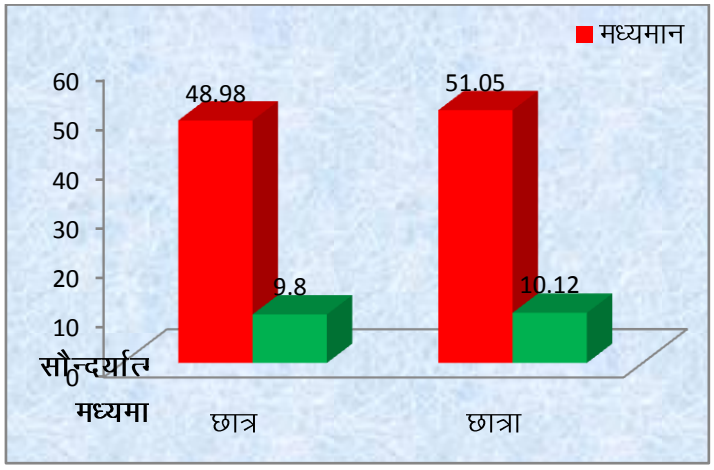

चित्र.3: छात्रों तथा छात्राओं के सौन्दर्यात्मक मूल्य

चित्र.3 से प्रदर्शित है कि थारू जनजाति की छात्राओं के सौन्दर्यात्मक मूल्य का स्तर छात्रों के सौन्दर्यात्मक मूल्य के स्तर से उच्च है।

सारणी –6 थारू जनजाति के छात्रों तथा छात्राओं के आर्थिक मूल्य

चर	लिंग	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	'टी'–मान
आर्थिक मूल्य	छात्र	400	49.19	9.73	2.346*
	छात्रा	400	50.84	10.22	सार्थक

*** =0.05 स्तर पर सार्थक**

सारणी 6 में थारू जनजाति के छात्रों तथा छात्राओं के आर्थिक मूल्य की तुलना की गई है।थारू जनजाति के छात्रों तथा छात्राओं की संख्या 400 है। छात्रों के आर्थिक मूल्य का मध्यमान 49.19 तथा मानक विचलन 9.73 है। थारू जनजाति की छात्राओं के आर्थिक मूल्य का मध्यमान 50.84 तथा मानक विचलन 10.22 है।

थारू जनजाति के छात्रों तथा छात्राओं के आर्थिक मूल्य की तुलना करने पर 'टी'–मान 2.346 प्राप्त हुआ है। यह 'टी'–मान 0.05 सार्थकता स्तर पर सार्थक है क्योंकि प्राप्त 'टी'–मान सारणी मान 1. 96 से अधिक है। इससे स्पष्ट है कि थारू जनजाति के छात्रों तथा छात्राओं के आर्थिक मूल्य में सार्थक अन्तर है। जिसे निम्न चित्र में प्रस्तुत किया गया है।

Copyright © 2017, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

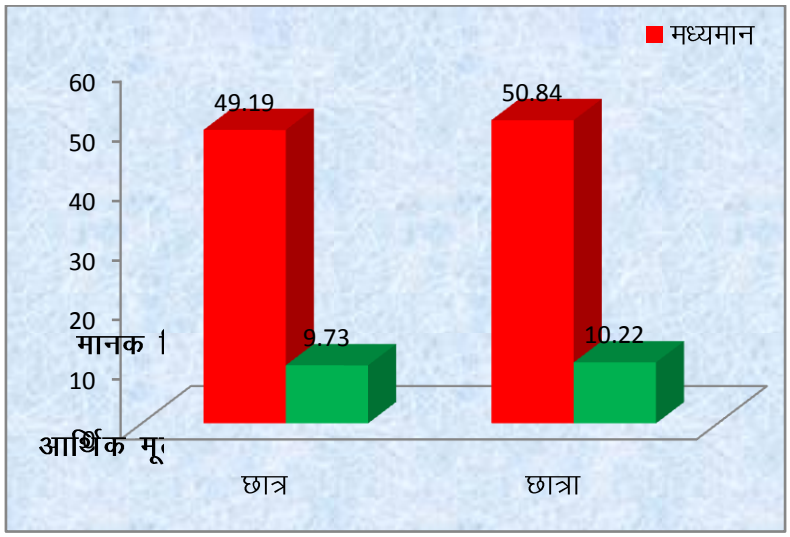

चित्र.4: छात्रों तथा छात्राओं के आर्थिक मूल्य

चित्र.4 से प्रदर्शित है कि थारू जनजाति की छात्राओं के आर्थिक मूल्य का स्तर छात्रों के आर्थिक मूल्य के स्तर से उच्च है।

सारणी –7 थारू जनजाति के छात्रों तथा छात्राओं के ज्ञान मूल्य

चर	लिंग	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	'टी'–मान
ज्ञान मूल्य	छात्र	400	49.25	8.31	2.129*
	छात्रा	400	50.76	11.44	सार्थक

**** =0.05 स्तर पर सार्थक**

सारणी 7 में थारू जनजाति के छात्रों तथा छात्राओं के ज्ञान मूल्य की तुलना की गई है।सारणी से स्पष्ट है कि थारू जनजाति के छात्रों तथा छात्राओं की संख्या 400 है। छात्रों के ज्ञान मूल्य का मध्यमान 49.25 तथा मानक विचलन 8.31 है। थारू जनजाति की छात्राओं के ज्ञान मूल्य का मध्यमान 50.76 तथा मानक विचलन 11.44 है।

थारू जनजाति के छात्रों तथा छात्राओं के ज्ञान मूल्य की तुलना करने पर 'टी'–मान 2.129 प्राप्त हुआ है। यह 'टी'–मान 0.05 सार्थकता स्तर पर सार्थक है क्योंकि प्राप्त 'टी'–मान सारणी मान 1. 96 से अधिक है। इससे स्पष्ट है कि थारू जनजाति के छात्रों तथा छात्राओं के ज्ञान मूल्य में सार्थक अन्तर है। जिसे निम्न चित्र में प्रस्तुत किया गया है।

Copyright © 2017, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

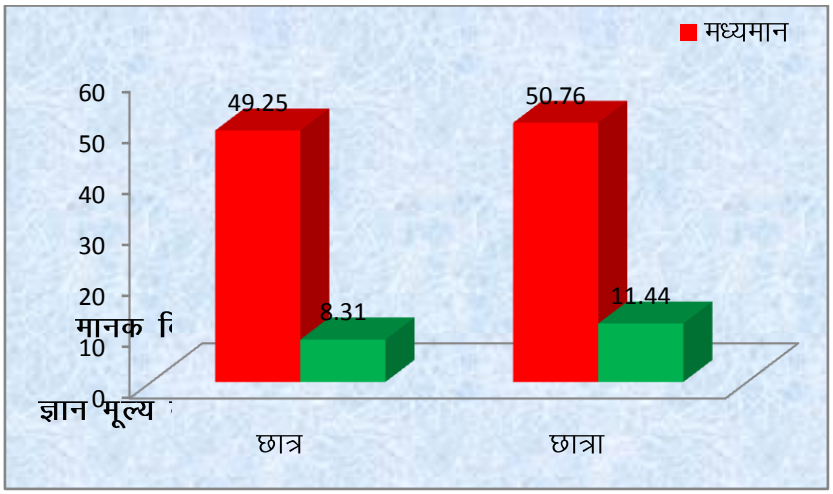

चित्र.5: छात्रों तथा छात्राओं के ज्ञान मूल्य

चित्र 5 से प्रदर्शित है कि थारू जनजाति की छात्राओं के ज्ञान मूल्य का स्तर छात्रों के ज्ञान मूल्य के स्तर से उच्च है।

सारणी –8 थारू जनजाति के छात्रों तथा छात्राओं के सुखवादी मूल्य

चर	लिंग	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	'टी'–मान
सुखवादी मूल्य	छात्र	400	51.01	7.36	0.106 असार्थक
	छात्रा	400	50.94	12.11	

सारणी 8 में थारू जनजाति के छात्रों तथा छात्राओं के सुखवादी मूल्य की तुलना की गई है।थारू जनजाति के छात्रों तथा छात्राओं की संख्या 400 है। थारू जनजाति के छात्रों के सुखवादी मूल्य का मध्यमान 51.01 तथा मानक विचलन 7.36 है। थारू जनजाति की छात्राओं के सुखवादी मूल्य का मध्यमान 50.94 तथा मानक विचलन 12.11 है।

थारू जनजाति के छात्रों तथा छात्राओं के सुखवादी मूल्य की तुलना करने पर 'टी'–मान 0. 106प्राप्त हुआ है। यह 'टी'–मान 0.05 सार्थकता स्तर पर भी सार्थक नहीं है इससे स्पष्ट है कि थारू जनजाति के छात्रों तथा छात्राओं के सुखवादो मूल्य में सार्थक अन्तर नहीं है।

सारणी –9 थारू जनजाति के छात्रों तथा छात्राओं के भाक्ति मूल्य

चर	लिंग	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	'टी'–मान
शक्ति मूल्य	छात्र	400	49.96	10.10	0.165 असार्थक
	छात्रा	400	50.07	9.94	

सारणी 9 में थारू जनजाति के छात्रों तथा छात्राओं के शक्ति मूल्य की तुलना की गई है।सारणी से स्पष्ट है कि थारू जनजाति के छात्रों तथा छात्राओं की संख्या 400 है।` छात्रों के शक्ति मूल्य का मध्यमान 49.96 तथा मानक विचलन 10.10 है। थारू जनजाति की छात्राओं के शक्ति मूल्य का मध्यमान 50.07 तथा मानक विचलन 9.94 है।

Copyright © 2017, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

थारू जनजाति के छात्रों तथा छात्राओं के शक्ति मूल्य की तुलना करने पर 'टी'–मान 0.165 प्राप्त हुआ है। यह 'टी'–मान 0.05 सार्थकता स्तर पर सार्थक नहीं है क्योंकि प्राप्त 'टी'–मान सारणी मान 1.96 से भी कम है। इससे स्पष्ट है कि थारू जनजाति के छात्रों तथा छात्राओं के शक्ति मूल्य में सार्थक अन्तर नहीं ह।

सारणी –10 थारू जनजाति के छात्रों तथा छात्राओं के पारिवारिक प्रतिश्ठा मूल्य

चर	लिंग	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	'टी'–मान
पारिवारिक प्रतिष्ठा मूल्य	छात्र	400	51.76	10.29	4.973** सार्थक
	छात्रा	400	48.29	9.44	

**** =0.01 स्तर पर सार्थक**

सारणी 10 में थारू जनजाति के छात्रों तथा छात्राओं के पारिवारिक प्रतिष्ठा मूल्य की तुलना की गई है।थारू जनजाति के छात्रों तथा छात्राओं की संख्या 400 है। थारू जनजाति के छात्रों के पारिवारिक प्रतिष्ठा मूल्य का मध्यमान 51.76 तथा मानक विचलन 10.29 है। थारू जनजाति की छात्राओं के पारिवारिक प्रतिष्ठा मूल्य का मध्यमान 48.29 तथा मानक विचलन 9.44 है।

थारू जनजाति के छात्रों तथा छात्राओं के पारिवारिक प्रतिष्ठा मूल्य की तुलना करने पर 'टी'–मान 4.973 प्राप्त हुआ है। यह 'टी'–मान 0.01 सार्थकता स्तर पर सार्थक है क्योंकि प्राप्त 'टी'–मान सारणी मान 2.58 से अधिक है। इससे स्पष्ट है कि थारू जनजाति के छात्रों तथा छात्राओं के पारिवारिक प्रतिष्ठा मूल्य में सार्थक अन्तर है। जिसे निम्न चित्र में प्रस्तुत किया गया है।

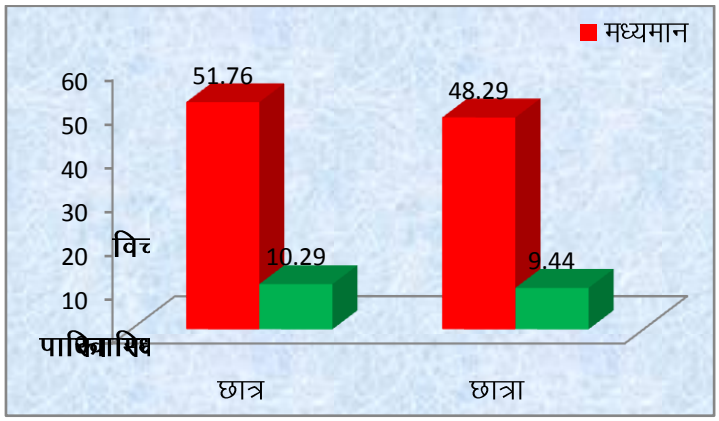

चित्र.6: छात्रों तथा छात्राओं के पारिवारिक प्रतिश्ठा मूल्य

चित्र 6 से प्रदर्शित है कि थारू जनजाति के छात्रों के पारिवारिक प्रतिष्ठा मूल्य का स्तर छात्राओं के पारिवारिक प्रतिष्ठा मूल्य के स्तर से उच्च है।

Copyright © 2017, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

सारणी –11 थारू जनजाति के छात्रों तथा छात्राओं के स्वास्थ्यमूल्य

चर	लिंग	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	'टी'–मान
स्वास्थ्यमूल्य	छात्र	400	48.58	8.86	4.040**
	छात्रा	400	51.42	10.89	सार्थक

** = 0.01 स्तर पर सार्थक

सारणी 11 में थारू जनजाति के छात्रों तथा छात्राओं के स्वास्थ्यमूल्य की तुलना की गई है।थारू जनजाति के छात्रों तथा छात्राओं की संख्या 400 है। थारू जनजाति के छात्रों के स्वास्थ्यमूल्य का मध्यमान 48.58 तथा मानक विचलन 8.86 है। थारू जनजाति की छात्राओं के स्वास्थ्य मूल्य का मध्यमान 51.42 तथा मानक विचलन 10.89 है।

थारू जनजाति के छात्रों तथा छात्राओं के स्वास्थ्य मूल्य की तुलना करने पर 'टी'–मान 4.040 प्राप्त हुआ है। यह 'टी'–मान 0.01 सार्थकता स्तर पर सार्थक है क्योंकि प्राप्त 'टी'–मान सारणी मान 2. 58 से अधिक है। इससे स्पष्ट है कि थारू जनजाति के छात्रों तथा छात्राओं के स्वास्थ्य मूल्य में सार्थक अन्तर है। जिसे निम्न चित्र में प्रस्तुत किया गया है–

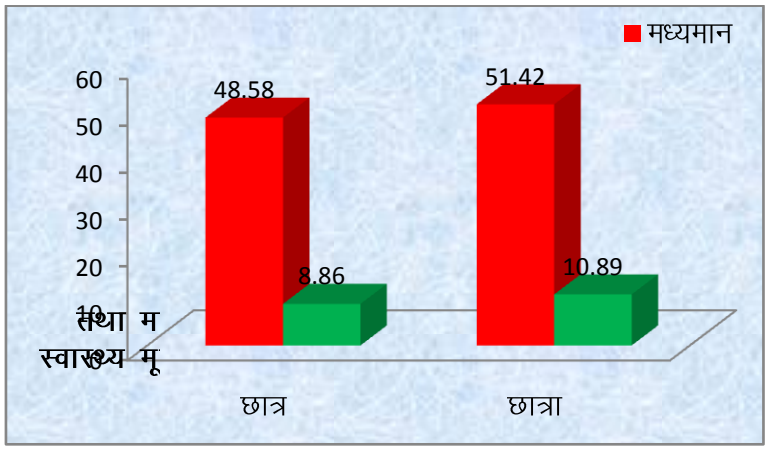

चित्र.7: छात्रों तथा छात्राओं के स्वास्थ्य मूल्य

चित्र 7 से प्रदर्शित है कि थारू जनजाति की छात्राओं के स्वास्थ्य मूल्य का स्तर छात्रों के स्वास्थ्य मूल्य के स्तर से उच्च है।

परिणाम

1. थारू जनजाति के छात्रों तथा छात्राओं के धार्मिक मूल्य,प्रजातान्त्रिक मूल्य,सुखवादी मूल्य एवं शक्ति मूल्य में सार्थक अन्तर नहीं पाया गया है।थारू जनजाति के छात्रों तथा छात्राओं का लालन–पालन समान धार्मिक वातावरण, संस्कृति तथा सभ्यता म हुआ है। उनके धार्मिक विश्वास एवं मत एक समान हैं अतः उनके धार्मिक मूल्य में अन्तर नहीं पाया गया है। थारू जनजाति के छात्रों तथा छात्राओं की पारिवारिक परिस्थितियाँ लगभग एक समान हैं तथा उन्हें सुविधाएं भी समान रूप से प्रदान की गयी हैं अतः उनके सुखवादी मूल्य में अन्तर नहीं पाया गया है।थारू जनजाति के छात्रों

Copyright © 2017, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

तथा छात्राओं के लिये स्थानों तथा अवसरों के विकल्प अधिक नहीं है। इस कारण उन्हें प्रतियोगिता के अवसर सीमित मिल पाते हैं। साथ ही वे किसी पर प्रभुत्व एवं शासन करने की अपेक्षा समानता, स्वतन्त्रता तथा भातृत्व की भावना में विश्वास रखते हैं अतः इनके शक्ति तथा प्रजातान्त्रिक मूल्य में भी अन्तर नहीं पाया गया है।

2. थारू जनजाति के छात्रों तथा छात्राओं के सामाजिक मूल्य,सौन्दर्यात्मक मूल्य,आर्थिक मूल्य, ज्ञान मूल्य, पारिवारिक प्रतिष्ठा मूल्य एवं स्वास्थ्य मूल्य में सार्थक अन्तर पाया गया है।
3. थारू जनजाति के छात्रों के सामाजिक मूल्य एवं पारिवारिक प्रतिष्ठा मूल्य का स्तर छात्राओं के सामाजिक मूल्य एवं पारिवारिक प्रतिष्ठा मूल्य के स्तर से उच्च पाया गया है।थारू जनजाति की पारिवारिक व्यवस्था पुरूष प्रधान है जिस कारण परिवार के सदस्यों की आवश्यकताओं की पूर्ति तथा सामाजिक सम्पर्क का मुख्य उत्तरदायित्व पुरूषों का ही है। इस कारण छात्रों में सामाजिक मूल्य का स्तर अपेक्षाकृत उच्च पाया गया है। समाज में सक्रिय रूप से भाग लेने के कारण पुरूष अपने परिवार की प्रतिष्ठा को अधिक महत्व दते हैं। वे अपनी पारिवारिक प्रतिष्ठा के लिये नियमों से समझौता नहीं करते। इस कारण इनकी पारिवारिक प्रतिष्ठा मूल्य का स्तर अपेक्षाकृत उच्च पाया गया है।
4. थारू जनजाति की छात्राओं के सौन्दर्यात्मक मूल्य,आर्थिक मूल्य,ज्ञान मूल्य एवं स्वास्थ्य मूल्य का स्तर छात्रों के सौन्दर्यात्मक म्ल्य, आर्थिक मूल्य, ज्ञान मूल्य एवं स्वास्थ्य मूल्य के स्तर से उच्च पाया गया है। छात्राओं में सौन्दर्य के प्रति प्राकृतिक अभिवृत्ति होती है इसी कारण छात्राओं में सौन्दर्यात्मक मूल्य का स्तर उच्च पाया गया है।थारू जनजाति की छात्राओं का जीवन अधिकांशतः घर–परिवार तक ही सीमित है। उन्हें आधुनिक संसाधन प्राप्त नहीं हैं। परन्तु उनके ह्रदय में आर्थिक सम्पन्नता तथा धन के प्रति चाह है। अतः इनके आर्थिक मूल्य का स्तर अपेक्षाकृत उच्च पाया गया है। वर्तमान तकनीकी युग में ज्ञान के प्रति छात्राओं की जिज्ञासा बढ़ती जा रही है। वे ज्ञान प्राप्त कर विभिन्न क्षेत्रों में प्रगति करना चाहती हैं। इस कारण छात्राओं में ज्ञान मूल्य का स्तर उच्च पाया गया है। वर्तमान समाज में स्त्रियों की भूमिका बदलती जा रही है तथा उनके कर्त्तव्य क्षेत्र का विस्तार होता जा रहा है। अतः वे स्वयं को शारीरिक रूप से स्वस्थ रखना चाहती है। इस कारण छात्राओं में स्वास्थ्य मूल्य का स्तर उच्च पाया गया है।

आज के विद्यार्थी ही कल का भविष्य हैं। उन पर ही समाज तथा राष्ट्र के निर्माण का महत्वपूर्ण उत्तरदायित्व है। अतः बालकों के शारीरिक, मानसिक, सामाजिक, व्यवसायिक विकास के साथ–साथ उनका नैतिक तथा चारित्रिक विकास किया जाना भी अत्यधिक आवश्यक है और यह विकास मूल्यों के द्वारा ही सम्भव है। इस कार्य की पूर्ति हेतु विद्यार्थियों को मूल्य आधारित शिक्षा प्रदान की जानी चाहिए तथा विद्यार्थियों में भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता के बीज अंकुरित करने का प्रयास किया जाना चाहिए।

Copyright © 2017, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

उन्हें ऐसी शिक्षा प्रदान की जानी चाहिए जिसमें परम्परागत मूल्यों तथा आधुनिक मूल्यों का पूर्ण सामंजस्य तथा संतुलन बना रहे।

शिक्षा के द्वारा बालक इस योग्य बन सके कि उनमें उचित तथा अनुचित को समझने की अन्तर्दृष्टि उत्पन्न हो जाए। विद्यार्थियों में मूल्यों के स्तर को उच्च करने का प्रयास शिक्षकों द्वारा किया जाना चाहिए। शिक्षक विद्यार्थियों में मूल्यों का विकास केवल तभी कर सकते हैं जब वे स्वयं मूल्य आधारित आचरण तथा व्यवहार करें। शिक्षकों को विद्यार्थियों के समक्ष एक आदर्शवान, चरित्रवान तथा अनुकरणीय व्यक्तित्व प्रस्तुत करना चाहिए जिससे विद्यार्थी भी उनका अनुकरण करके आदर्शवान तथा चरित्रवान बन सकें।

सन्दर्भ

आर0के0 मुकर्जी, *उद्धृत शैक्षिक चिन्तन एवं प्रयोग द्वारा लाल, रमन बिहारी तथा पलोड सुनीता, प्रकाशकः आर0 लाल बुक डिपो, मेरठ, संस्करण : 2010, पृ0सं0 536*

चार्ल्स, पी0ए0 तथा पारेख, जे0, *इन्फ्ल्यूऐन्स ऑफ जेन्डर ऑन द पर्सनल वेल्यूज ऑफ हायर सेकेण्डरी स्टूडेन्टस, इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ इण्डियन साइक्लोजी, वोल्यूम–4(3), 2017, पृ0सं0 123–133*

नरे□ा, नीरज, *माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों के व्यक्तित्व गुणों, आत्मप्रत्यय, मूल्य एवं शैक्षिक उपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन, शोध प्रबन्ध, शिक्षाशास्त्र, 2005, चौ0 चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ*

नारद, ए0, *ए स्टडी ऑफ पर्सनल वेल्यूज ऑफ सीनियर सेकेण्डरी स्कूल स्टूडेन्टस इन रिलेशन टू स्कूल इन्वायरमेंट एण्ड होम एन्वायरमेंट, पी–एच.डी. (शिक्षा), 2007, पंजाब विश्वविद्यालय।*

पि□लंक, *उद्धृत शैक्षिक चिन्तन एवं प्रयोग द्वारा लाल, रमन बिहारी तथा पलोड सुनीता, प्रकाशकः आर0 लाल बुक डिपो, मेरठ, संस्करण : 2010, पृ0सं0 536*

मित्तल, अर्चना, *ए स्टडी ऑफ वेल्यूज ऑफ सेकेण्डरी स्कूल स्टूडेन्टस इन रिलेशन टू देयर सोशियो–इक्नॉमिक स्टेटस एण्ड मोडर्नाइजेशन, लर्निंग कम्यूनिटी, नई दिल्ली प्रकाशन, 7(2), 2016, पृ0सं0 203–216*

मौ0 भामीर, *बैडमिंटन खिलाड़ी, टेनिस खिलाड़ी एवं सामान्य छात्रों के समायोजन व मूल्यों का विश्लेषणात्मक अध्ययन, अप्रकाशित शोध प्रबन्ध, शारीरिक शिक्षा, 2011, चौ0 चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ*

भार्मा, उदयवीर, *ए स्टडी ऑफ वैल्यूज़ अमंग सेकैण्डरी स्कूल टीचर्स, इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ अप्लाइड रिसर्च, 1(11), 2015, पृ0सं0 974–980*

भार्मा, तृषा, *सरस्वती शिशु मन्दिर तथा शासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की बुद्धि, वैयक्तिक मूल्य तथा शैक्षिक उपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन, शोध प्रबन्ध, शिक्षाशास्त्र, 2013, पं0 रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर*

भार्मा, □िखा तथा मलिक, उपेन्द, *ए कम्पैरेटिव स्टडी ऑफ एडजैस्टमेन्ट, वेल्यूज एण्ड एकेडमिक एचीवमेन्ट ऑफ अर्बन एण्ड रूरल स्कूल एडोलेसेन्टस, युगशिल्पी, वर्ष–7, अंक–11, 2013, पृ0सं0 15–19*

सिंह, *फैमिली इन्कम एण्ड वैल्यूज़ एज़ प्रिडिक्टर्स ऑफ एकेडमिक परफोरमेन्स ऑफ स्कूल एण्ड कॉलेज स्टूडेन्टस, इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ कॉमर्स एण्ड बिजनेस मैनेजमेन्ट, वोल्यूम–5, इश्यू–2, 2012, पृ0सं0 232–235*

Copyright © 2017, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies